वर्ष 2013-14 की पहली छमाही के दौरान निजी कार्पोरेट कारोबार का निष्पादन*

निजी (गैर-वित्तीय) कार्पोरेट कारोबार क्षेत्र की कुल बिक्री वर्ष 2013-14 की पहली छमाही में मंद रही । किंतु 2103-14 की दूसरी तिमाही में उठान दिखाई दिया - जिसने पिछली छह तिमाहियों की प्रवृत्ति को उलट दिया था। ऐसा मुख्य रूप से इसलिए हुआ कि बड़े आकार की कंपनियों की बिक्री लगातार कम ही बनी रही। बिक्री में हुई वृद्धि का सुधार उसकी लाभप्रदता में नज़र नहीं आया। वर्ष 2013-14 की दूसरी तिमाही में ब्याज, कर, मूल्यह्रास तथा ऋण शोधन से पूर्व (ईबीआईटीडीए) आमदनी और निवल लाभ मार्जिन बहुत कम रहा, और 2013-14 की पहली छमाही में काफी गिर गया।

इस लेख में निजी (गैर-वित्तीय) कार्पोरेट कारोबार क्षेत्र के 2013-14 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के निष्पादन का विश्लेषण किया गया है जो सूचीबद्ध 2,731 कंपनियों की आमदनी के नतीजों पर आधारित है। सकल निष्पादन के विश्लेषण के अलावा यह अध्ययन उनके आकार एवं प्रमुख उद्योग समूहों का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इसमें निजी कार्पोरेट क्षेत्र की बड़ी सीमा तक बिक्री, व्यय और लाभ मार्जिन की प्रवृत्ति भी दर्शाई गई है। विस्तृत तिमाही आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर समय-समय पर उपलब्ध करवाए गए हैं (2013-14 की दूसरी तिमाही के आंकड़े 20 दिसंबर 2013 को जारी किए गए थे)।

1. सकल स्तर पर बिक्री-वृद्धि में कमी और निवल लाभ में गिरावट

1.1 निजी कार्पोरेट क्षेत्र की सूचीबद्ध 2731 कंपनियों की बिक्री-वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) वर्ष 2013-14 की पहली छमाही में लगातार घटती रही। संकट की अवधि के बाद सकल बिक्री में इस प्रकार की सबसे अधिक गिरावट देखी गई (सारणी 2) वर्ष 2013-14 की पहली छमाही में विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत व्यय भी कम दर से बढ़े (सारणी-1) कच्चे माल की लागत जो 2012-13 की पहली छमाही में कुल बिक्री की 48.3 प्रतिशत थी, वह 2013-14 की पहली छमाही में घटकर 46.5 प्रतिशत हो गई (चार्ट 3)। किंतु, बिक्री के अनुपात की तुलना में स्टाफ लागत एवं ब्याज संबंधी व्यय बढ़ गए जिससे लाभ का मार्जिन और भी कम हो गया।

1.2 ईबीआईटीडीए अथवा परिचालतगत लाभ तथा ब्याज एवं कर से पूर्व आमदनी (ईबीआईटी) लगभग एक जैसी बनी रही। निवल

चार्ट 1 : चुनिंदा कार्पोरेट निष्पादन पैरामीटर की प्रवृत्ति

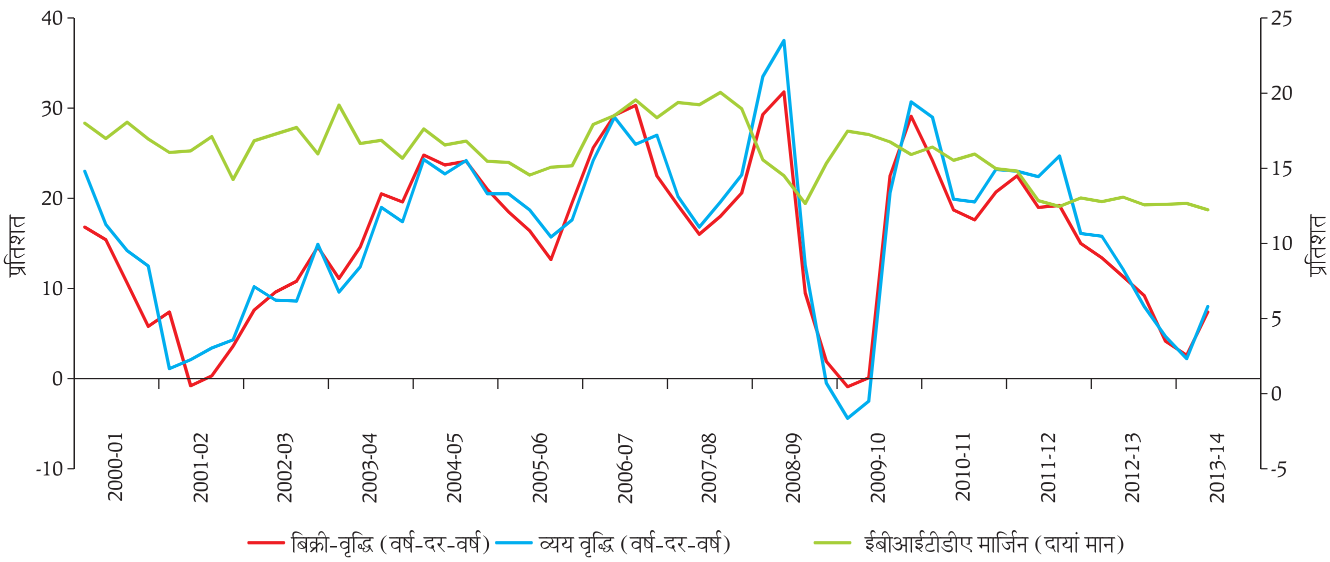

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के कार्पोरेट अध्ययन प्रभाग में तैयार किया गया। 'वर्ष 2012-13 की पहली छमाही के दौरान निजी कार्पोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन' से संबंधित पिछला अध्ययन भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के जनवरी 2013 अंक में प्रकाशित किया गया था।

सारणी 1 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी - गैर-वित्तीय कंपनियों का निष्पादन

कंपनियों की संख्या	पहली छमाही: 2013-14		दूसरी छमाही: 2012-13	पहली छमाही: 2012-13*
	2,731		2,912	2,832
मद	राशि बिलियन रु.	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि @ प्रतिशत में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि @ प्रतिशत में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि @ प्रतिशत में
	1	2	3	4
बिक्री	14,511	5.4	6.8	12.3
उत्पादन का मूल्य	14,544	4.8	6.1	12.4
व्यय	12,729	5.6	5.8	13.6
सीआरएम**	6,749	2.4	4.7	13.8
स्टाफ लागत	1,130	13.1	13.7	16.1
बिजली और ईंधन	474	-0.8	6.5	18.8
परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए)	1,816	-0.8	8.0	4.9
अन्य आय @@	387	14.9	3.2	31.1
मूल्यह्रास	522	10.1	12.4	10.7
सकल लाभ (ईबीआईटी)	1,681	-0.8	5.9	7.7
ब्याज	578	15.0	12.1	24.4
कर पूर्व आमदनी (ईबीटी)	1,085	-10.0	11.5	4.0
कर प्रावधान	325	3.7	10.2	3.0
निवल लाभ	760	-14.9	11.9	4.3
चुकता पूंजी	1,164	5.7	5.8	4.7

* : भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के जनवरी 2013 अंक में प्रकाशित
@ : वृद्धि दर की गणना किसी भी अवधि की कंपनियों के कामन सेट के आधार पर की गई है।
** : सीआरएम : कच्चे माल की खपत
@@ : इसमें फारेक्स लाभ शामिल है क्योंकि व्यय में फारेक्स हानि को शामिल किया गया है।
^ : गैर-परिचालनगत अधिशेष/घाटे के लिए समायोजित

लाभ 14.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घट गया जबकि 2012-13 की दूसरी छमाही में हमनें 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। ईबीआईटीडीए तथा निवल लाभ मार्जिन वर्ष 2012-13 में क्रमशः एवं 6.4 प्रतिशत

सारणी 2 : महत्त्वपूर्ण निष्पादन पैरामीटर

अवधि	कंपनियों की संख्या	बिक्री में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	व्यय में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	ईबी आईटीडीए में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7
छमाही 1: 2010-11	2,576	21.5	24.2	11.7	6.8	16.1	8.6
छमाही 2:2010-11	3,075	18.9	21.5	12.4	9.1	15.4	8.2
छमाही 1:2011-12	2,643	20.8	22.8	5.7	-4.9	13.8	6.7
छमाही 2:2011-12	3,063	17.2	20.0	-1.6	-15.0	12.9	6.0
छमाही 1:2012-13	2,832	12.3	13.6	4.9	4.3	13.1	6.4
छमाही 2:2012-13	2,912	6.8	5.8	8.0	11.9	13.2	6.5
छमाही 1:2013-14	2,731	5.4	5.6	-0.8	-14.9	12.5	5.2

के आसपास बने रहने के बाद वर्ष 2013-14 की पहली छमाही में काफी हद तक घट गए।

2. छोटी कंपनियों का निष्पादन और खराब हो गया

2.1 छोटी कंपनियों (जिनकी वार्षिक बिक्री 1 बिलियन रुपए तक है) की बिक्री में संकट के बाद की अवधि में लगातार गिरावट बनी रही। मध्यम आकार की कंपनियों (जिनकी वार्षिक बिक्री 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपए के बीच थी) की बिक्री छमाही 1ः 2010-11 और छमाही 2ः2013-14 में गिरती गई और उसके बाद छमाही 1ः2013-14 में थोड़ा सा 1.1 प्रतिशत बढ़ गई। बड़ी कंपनियों (जिनकी वार्षिक ब्रिकी 10 बिलियन रुपये से अधिक है) की बिक्री भी 2012-13 से तेजी से मंद पड़ गई। 2013-14 की पहली छमाही में बिक्री में वृद्धि 6.5 प्रतिशत दर्ज की गई थी जो संकट के बाद सबसे कम थी (सारणी 3)।

सारणी 3 : आकार के हिसाब से श्रेणीवार महत्त्वपूर्ण निष्पादन पैरामीटर

श्रेणी का आकार	बड़ी कंपनी					मध्यम आकार कंपनी					छोटी कंपनी				
	10 बिलियन रु. से अधिक वार्षिक बिक्री					10 बिलियन रु. से 10 बिलियन रुपये के बीच वार्षिक बिक्री					10 बिलियन रु. से कम वार्षिक बिक्री				
अवधि	वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)		वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)		वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)	
	बिक्री	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ	बिक्री	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ	बिक्री	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ	ईबी आई टीडीए	निवल लाभ
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
छमाही 1:2010-11	22.6	12.2	5.0	16.7	9.2	20.2	11.8	30.8	13.9	6.6	-4.9	-16.7	-92.3	9.5	0.4
छमाही 2:2010-11	19.8	14.0	14.3	16.2	9.2	18.9	6.8	-12.0	12.4	4.8	-11.7	-46.3	$	4.1	-4.9
छमाही 1:2011-12	22.9	8.2	-0.3	14.4	7.4	12.8	-6.6	-32.7	11.1	3.7	-7.0	-41.7	$	6.1	-0.8
छमाही 2:2011-12	20.8	0.5	-12.7	13.5	6.7	3.6	-13.8	-38.0	10.9	3.2	-18.9	-41.9	$	2.6	-3.4
छमाही 1:2012-13	14.6	5.9	7.8	13.4	7.0	3.8	0.6	-27.1	11.9	3.5	-21.5	-19.1	$	6.9	-4.0
छमाही 2:2012-13	9.2	10.9	22.9	13.9	7.8	-2.7	-10.5	-86.6	10.2	0.5	-24.3	$	$	-0.3	-15.0
छमाही 1:2013-14	6.6	1.6	-11.4	13.0	5.9	1.1	-14.1	-40.8	10.2	2.1	-19.3	-56.9	$	4.2	-7.7

$: अंश/शून्य /नगण्य

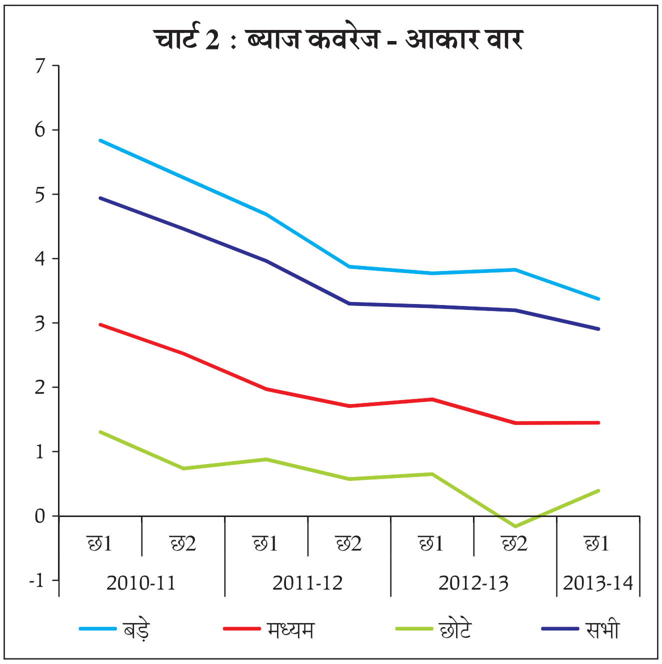

2.2 छोटे आकार की कंपनियों में ईबीआईटीडीए लगातार कम हो रहा है और 2010-11 की दूसरी छमाही से निवल लाभ की स्थिति ऋणात्मक हो गई है। हाल के समय में मझोले आकार की कंपनियों के ईबीआईटीडीए तथा निवल लाभ भी कम हुए हैं। बड़ी कंपनियों के ईबीआईटीडीए की वृद्धि 2013-14 की पहली छमाही में काफी घट गई है और निवल लाभ कम हो गया है। सभी आकार की कंपनियों के समूह में 2011-12 से लाभ का मार्जिन कम ही रहा है।

2.3 सभी आकार के समूह में ब्याज कवरेज अनुपात (ईबीआईटी/ब्याज व्यय) लगातार घट कहा है। लेकिन, समस्त स्तर पर कुल मिलाकर तथा मध्यम एवं बड़े आकार की कंपनियों में गिरावट की गति थोड़ी धीमी हुई है (चार्ट 2)।

3. विनिर्माण और सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) के निष्पादन बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, आईटी क्षेत्र का निष्पादन बेहतर हुआ है

3.1 विनिर्माण क्षेत्र में बिक्री में वृद्धि काफी मंद थी जो अब तक के लगातार चार छमाहियों की सबसे कम बिक्री वृद्धि थी। सेवा क्षेत्र (आईटी क्षेत्र को छोड़कर) में भी मांग कम दिखाई दी (सारणी 4)।

3.2 विनिर्माण क्षेत्र में 2010-11 से ईबीआईटीडीए मार्जिन में लगातार गिरावट रही। सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) ईबीआईटीडीए मार्जिन 2011-12 से निम्न बनी रही है। इन दोनों क्षेत्रों में निवल लाभ मार्जिन में भी गिरावट हुई है।

3.3 तीनों क्षेत्रों में आईटी क्षेत्र में निष्पादन निरंतर बेहतर रहा है और बिक्री तथा ईबीआईटीडीए वृद्धि एवं मार्जिन सुधार हुआ है।

3.4 व्यय के घटकों पर बारीकी से नज़र डालें तो पता चलता है कि विभिन्न आकार वाला विनिर्माता कंपनियों के समूह में 2013-14 की पहली छमाही में बिक्री के प्रतिशत के रूप में कच्चे माल की लागत का हिस्सा कम हुआ है (विवरण 1)। किंतु, स्टाफ-लागत में एवं ब्याज व्यय में वृद्धि तथा अन्य न्यूनतर आय के कारण सकल स्तर पर ईबीटी मार्जिन घट गई है, जबकि स्टाफ बढ़ती लागत तथा अन्य खर्चों ने विनिर्माण क्षेत्र की ईबीटी मार्जिन को नीचे खींच दिया है (चार्ट 3)। सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) में स्टाफ लागत तथा ब्याज संबंधी व्यय में वृद्धि काफी हुई है (विवरण 1)। किंतु, बिक्री में अन्य आय का हिस्सा बढ़ा है, जिनके कारण ईबीटी मार्जिन बढ़ गया है।

सारणी 4 : क्षेत्रवार महत्त्वपूर्ण निष्पादन पैरामीटर

क्षेत्र	विनिर्माण					सेवा (आईटी को छोड़कर)					आई टी				
अवधि	वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)		वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)		वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) (%)			मार्जिन (%)	
	बिक्री	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)	बिक्री	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)	बिक्री	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)	ईबी आई टीडीए	मार्जिन (%)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
छमाही 1: 2010-11	24.9	10.8	9.0	14.8	7.8	10.6	11.4	6.9	18.7	7.9	15.7	8.6	5.3	24.1	18.1
छमाही 2:2010-11	21.2	13.7	14.2	14.0	7.4	9.0	8.7	-17.8	18.0	6.9	17.8	11.4	16.2	22.2	17.1
छमाही 1:2011-12	22.7	5.5	-3.7	12.5	6.0	14.3	1.3	-41.5	15.8	3.9	18.1	13.4	21.8	21.1	17.1
छमाही 2:2011-12	17.6	-3.4	-20.4	11.5	5.1	12.9	-2.8	-34.1	15.7	4.1	17.8	13.8	23.9	21.6	17.7
छमाही 1:2012-13	12.2	3.0	3.0	11.5	5.7	11.4	10.1	43.4	16.2	4.7	16.9	25.6	18.6	22.7	17.1
छमाही 2:2012-13	6.5	6.5	8.4	11.4	5.2	13.3	2.9	-44.3	16.4	2.9	6.0	8.7	-6.3	22.0	15.8
छमाही 1:2013-14	4.5	-3.6	-16.3	10.6	4.5	9.2	-3.6	-31.2	16.0	3.8	15.1	20.5	14.0	24.8	17.9

चार्ट 3 : कच्चे माल की लागत, स्टाफ-लागत, ब्याज तथा ईबीटी - बिक्री के प्रतिशत के रूप में

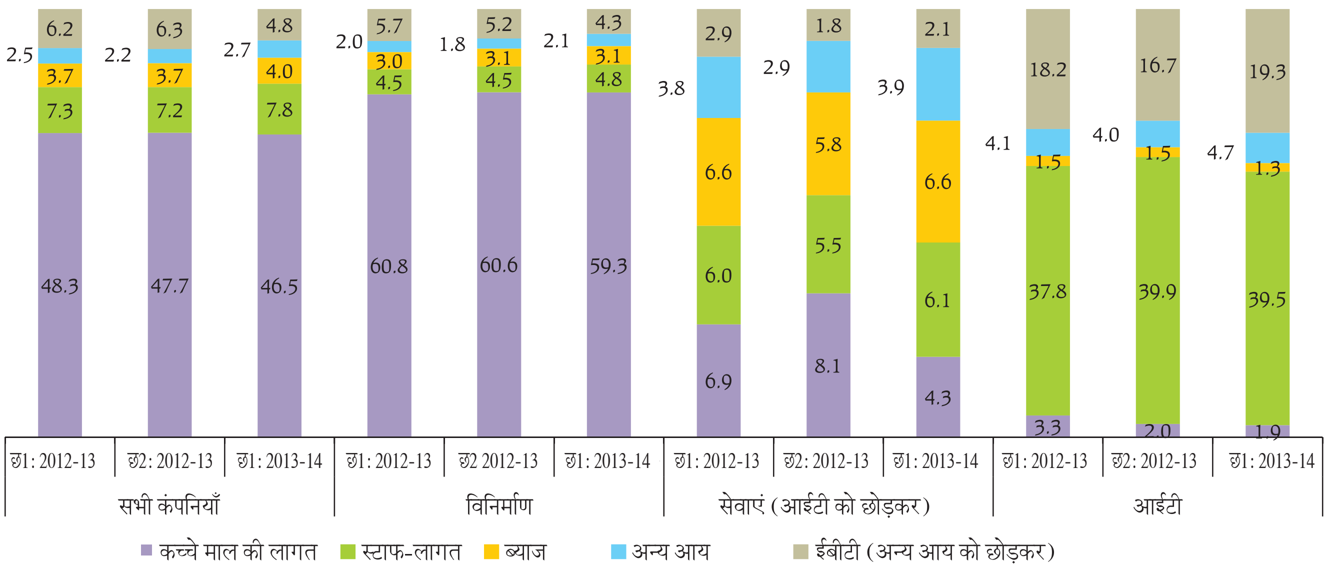

3.5 पिछले दशक के प्रारंभ से दीर्घकालीन प्रवृत्तियां यह दर्शाती हैं कि निजी कंपनी क्षेत्र के मामले में कच्चे माल की लागत और स्टाफ-लागत का बिक्री के प्रति अनुपात काफी स्थिर रहा है और सीमा के भीतर था (विवरण 1, चार्ट 4)। विनिर्माण क्षेत्र में हाल के समय में

चार्ट 4 : व्यय के घटकों की प्रवृत्ति

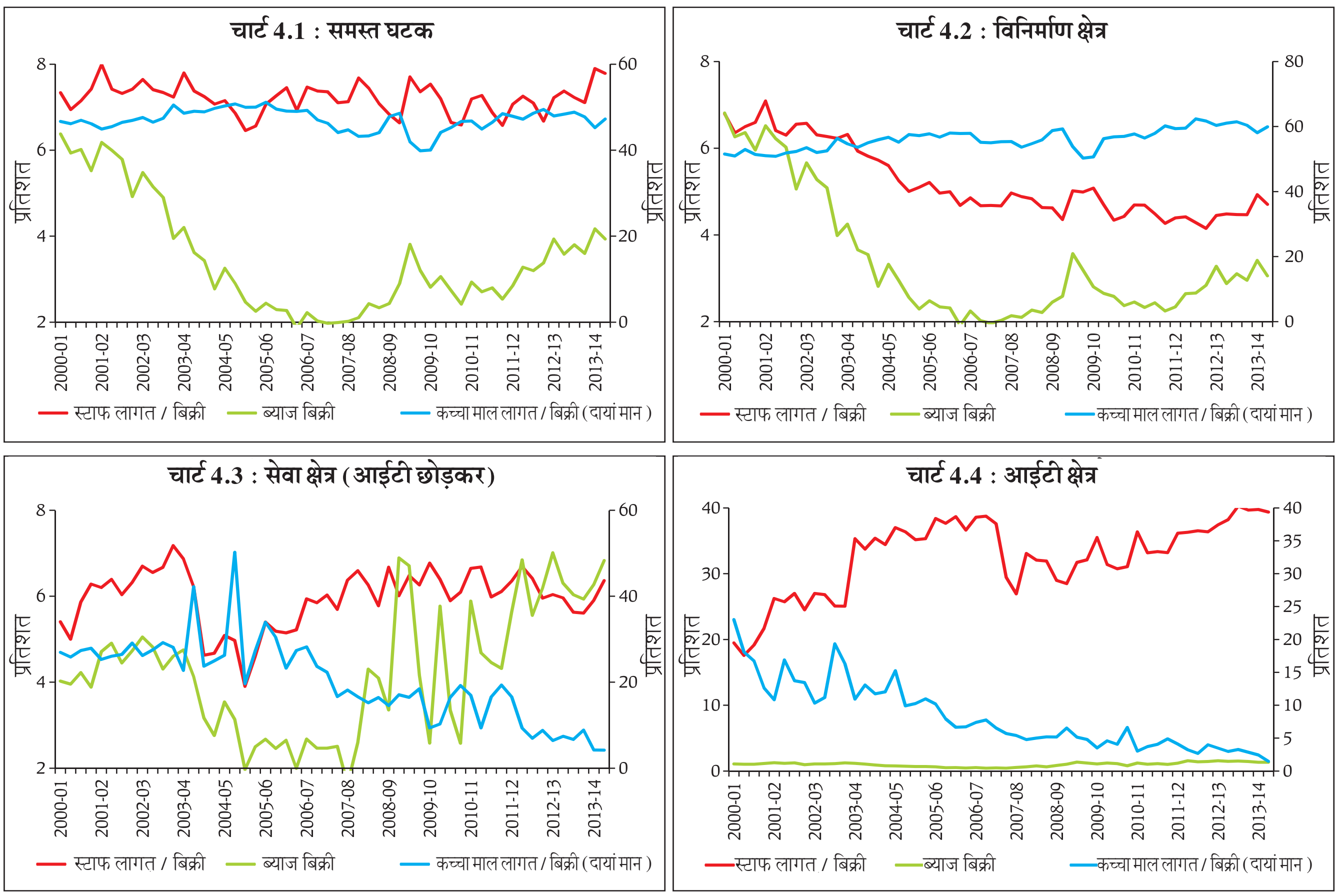

बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत का अनुपात बढ़ा है जबकि बिक्री अनुपात की तुलना में स्टाफ-लागत का स्तर 2001-01 के स्तर से कम हुआ है। कुल मिलाकर तथा विनिर्माण क्षेत्र के संबंध में बिक्री अनुपात की तुलना में ब्याज का स्तर 2000-01 के स्तर से कम रहा है। कुल मिलाकर तथा विनिर्माण क्षेत्र के संबंध में बिक्री अनुपात की तुलना में ब्याज का स्तर 2000-01 के स्तर से कम रहा है।

4. अधिकांश उद्योगों में बिक्री में वृद्धि कम रही

4.1 सामान्य वस्तु क्षेत्र में, लोहा और इस्पात तथा सीमेंट उद्योग में बिक्री 2013-14 की पहली छमाही में घट गई (चार्ट 5.1,5.2)। इन उद्योगों में बिक्री की वृद्धि वर्ष 2011-12 और 2012-13 से ही घट रही है। इन दोनों उद्योगों के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन भी कम हो गया है। आकारवार विश्लेषण दर्शाता है कि सभी प्रकार के आकार समूहों में बिक्री में गिरावट हुई है और ईबीआईटीडीए तथा निवल लाभ मार्जिन कम हो गया है (विवरण 2)।

4.2 उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में, मोटरवाहन उद्योग में बिक्री वृद्धि समान रूप से कम होती रही है और 2012-13 की दूसरी छमाही में गिरावट हुई है (चार्ट 5.3)। फार्मास्युटिकल उद्योग में 2012-13 की दूसरी छमाही में बिक्री की वृद्धि तेजी से घटी किंतु वर्ष 2013-14 की पहली छमाही में उठाव दिखाई दिया। इस अवधि में ईबीआईटीडीए मार्जिन बिलकुल सपाट रहा (चार्ट 5.4)। वस्त्र उद्योग में बिक्री की वृद्धि में 2012-13 के दौरान थोड़ा सुधार हुआ था किंतु 2013-14 की पहली छमाही में इसमें गिरावट आ गई। ईबीआईटीडीए मार्जिन 2012-13 की दूसरी छमाही में गिर गया और 2013-14 की पहली छमाही में उसी प्रकार बना रहा (चार्ट 5.5)।

4.3 पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में, मशीनरी उद्योग में वर्ष 2012-13 की पहली छमाही से बिक्री की वृद्धि कम होने लगी। लाभ-मार्जिन 2012-13 की पहली छमाही में तेजी से गिर गया और आगे कम ही बना रहा (चार्ट 5.6)।

चार्ट 5.1 : सीमेंट और सीमेंट उत्पाद

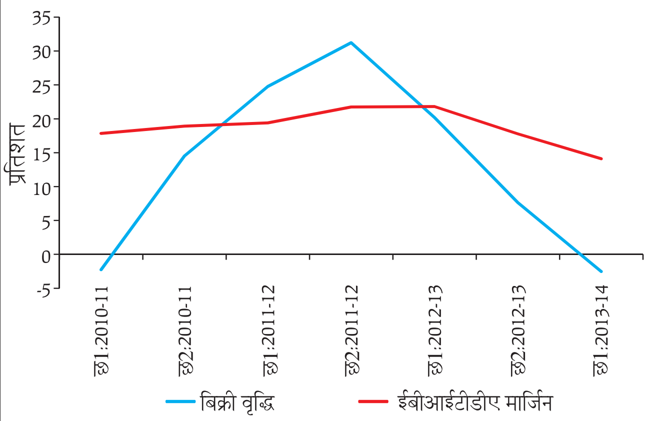

चार्ट 5.2 : लोहा और इस्पाद

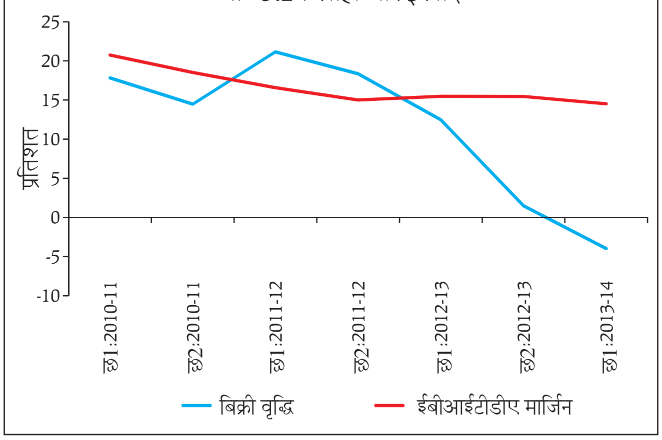

चार्ट 5.3 : मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपकरण

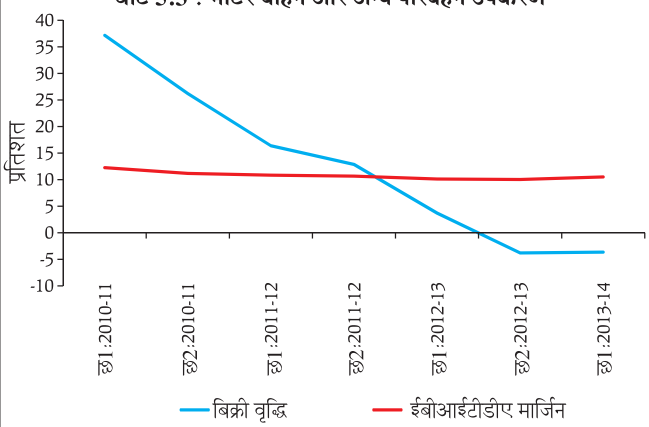

चार्ट 5.4 : फार्मास्युटिकल और औषधि

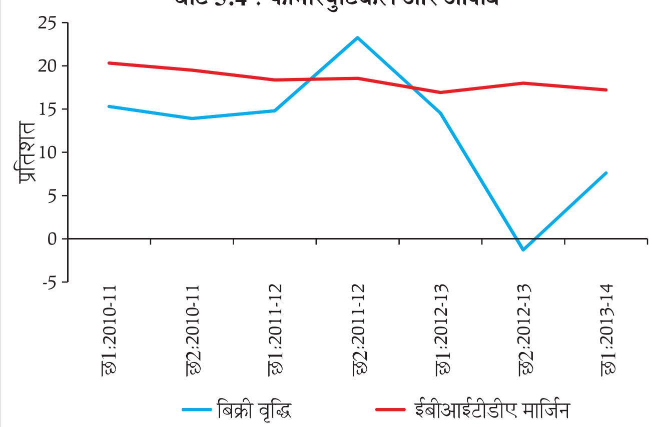

चार्ट 5.5 : वस्त्र

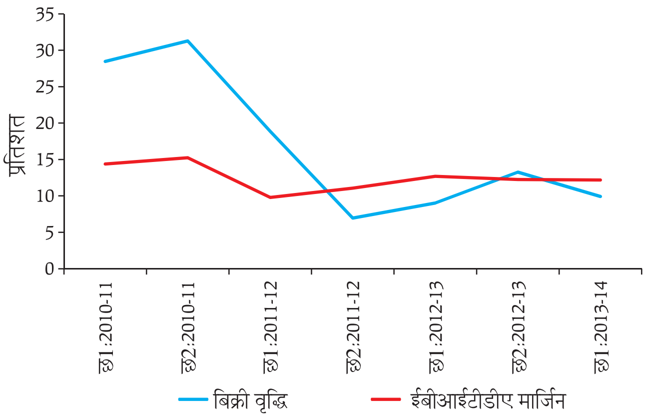

चार्ट 5.6 : मशीनरी

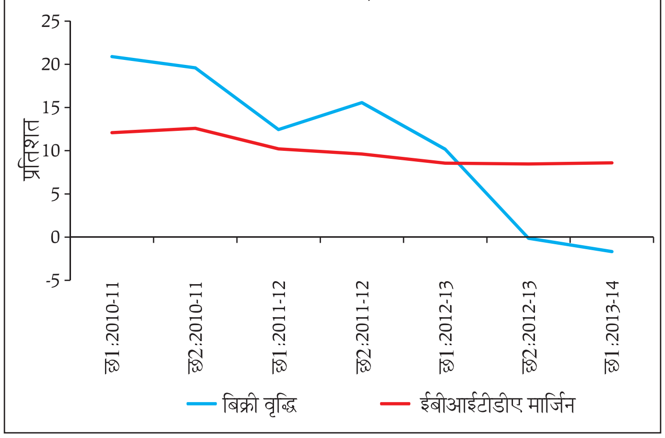

चार्ट 5.7 : निर्माण

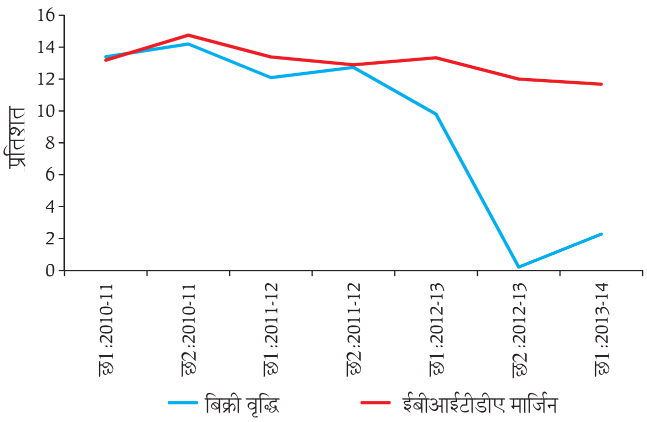

चार्ट 5.8: बिजली उत्पादन और आपूर्ति

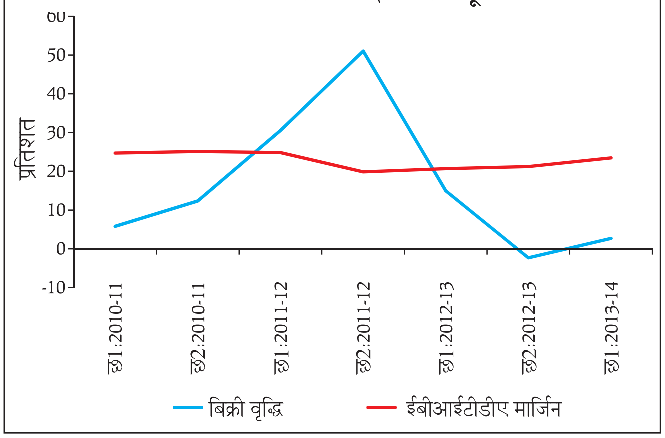

4.4 निर्माण उद्योग में 2013-14 की पहली छमाही में बिक्री में वृद्धि थोड़ा बेहतर हुई थी किंतु लाभ के मार्जिन में लगातार गिरावट रही (चार्ट 5.7)। बिजली उत्पादन और आपूर्ति उद्योग की बिक्री वृद्धि तथा ईबीआईटीडीए मार्जिन में 2013-14 की पहली छमाही में मामूली सुधार हुआ था (चार्ट 5.8)।

5. तिमाही आधार पर बिक्री-वृद्धि में सुधार हुआ किंतु लाभ-मार्जिन कम बना रहा

5.1 एनजीएनएफ सूचीबद्ध कंपनियों के अनेक तिमाहियों के निष्पादन विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2011-12 की तीसरी तिमाही से लगातार बिक्री-वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) घटने के बाद वर्ष 2013-

सारणी 5: चुनिंदा कंपनियों का निष्पादन तिमाहियों की तुलना में

मद	2012-13		2013-14	
	ति1	ति2	ति1	ति2
	1	2	3	4
कंपनियों की सं.	**2,790**	**2,749**	**2,768**	**2,708**
प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि				
बिक्री	13.4	11.3	2.6	7.4
व्यय	15.8	12.1	2.2	8.0
परिचालनगत लाभ (ईबीआईटीडीए)	-3.7	10.8	1.1	-1.3
अन्य आय	29.5	49.0	28.0	-0.2
मूल्यह्रास	10.3	10.4	9.4	11.6
सकल लाभ (ईबीआईटी)	-2.5	18.3	3.9	-4.6
ब्याज	37.9	11.5	12.1	19.9
निवल लाभ	-10.7	23.0	-10.9	-20.5

मद	2012-13		2013-14	
	ति1	ति2	ति1	ति2
	1	2	3	4
कंपनियों की सं.	**2,790**	**2,749**	**2,768**	**2,708**
प्रतिशत में अनुपात				
ईबीआईटीडीए मार्जिन	12.8	13.1	12.7	12.2
ईबीआईटी मार्जिन	11.6	12.7	11.8	11.3
निवल लाभ मार्जिन	5.9	6.9	5.2	5.1
बिक्री पर ब्याज	3.9	3.6	4.2	3.9
ईबीआईटी पर ब्याज	34.0	28.2	35.3	34.8
ब्याज की व्याप्ति (गुणकों में)	2.9	3.5	2.8	2.9

14 की दूसरी तिमाही में सुधार हुआ (सारणी 5)। सभी क्षेत्रों में वर्ष 2013-14 की दूसरी तिमाही में ब्याज संबंधी में व्यय-वृद्धि में वर्ष-दर-वर्ष इजाफा होता रहा है। ब्याज कवरेज अनुपात (ईबीआईटी/ब्याज व्यय) खासतौर से वर्ष 2012-13 की दूसरी तिमाही के स्तर से कम था। किंतु पिछली तिमाही की तुलना पर यह समान स्तर पर पाया गया है। बिक्री-वृद्धि में हुआ सुधार लाभ-मार्जिन में दिखाई नहीं दिया; और मूल्य-निर्धारण की शक्ति 2011-12 की दूसरी तिमाही से धीमी रही तथा 2013-14 दूसरी तिमाही में तो और भी क्षीण हो गई (चार्ट 1)। कुल मिलाकर ईबीआईटीडीए मार्जिन में गिरावट रही जबकि निवल लाभ मार्जिन में थोड़ासा परिवर्तन हुआ था।

विवरण 1 : कच्चे माल की लागत (सीआरएम), स्टाफ लागत और ब्याज व्यय - बिक्री के अनुपात के रूप में												
	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज
	सकल			बड़े			मध्यम			छोटे		
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
विनिर्माण												
छ1:2010-11	57.0	4.7	2.4	57.9	4.1	2.0	53.8	6.7	3.4	48.3	8.4	6.1
छ2:2010-11	60.1	4.3	2.6	60.8	3.8	2.4	57.7	6.3	3.7	52.8	6.7	4.9
छ1:2011-12	59.0	4.4	2.5	59.9	3.9	2.2	54.8	6.6	4.0	51.1	9.9	4.8
छ2:2011-12	62.3	4.2	3.0	63.3	3.7	2.7	57.6	6.5	4.4	52.4	9.6	7.1
छ1:2012-13	60.8	4.5	3.0	62.0	4.0	2.7	54.4	6.8	4.5	52.7	9.5	8.6
छ2:2012-13	60.6	4.5	3.1	61.3	4.0	2.7	56.7	7.5	4.8	52.7	10.1	8.9
छ1:2013-14	59.3	4.8	3.1	60.0	4.4	2.9	55.1	7.0	4.4	49.6	9.9	9.3
सेवा क्षेत्र (आईटी छोड़कर)												
छ1:2010-11	9.1	6.7	5.3	8.4	5.7	5.0	11.0	10.2	6.1	16.3	12.5	8.1
छ2:2010-11	7.9	6.0	5.0	6.8	5.1	4.2	10.8	9.0	7.6	17.4	10.5	6.6
छ1:2011-12	17.1	6.3	6.2	18.3	5.1	5.5	10.6	11.8	9.5	18.3	12.2	8.6
छ2:2011-12	7.2	6.0	6.3	6.6	4.9	5.1	8.2	9.8	11.3	16.8	11.3	6.4
छ1:2012-13	6.9	6.0	6.6	6.2	4.7	5.4	8.8	10.8	11.5	15.5	13.1	8.3
छ2:2012-13	8.1	5.5	5.8	7.2	4.4	4.5	10.4	9.8	11.3	23.4	10.1	6.4
छ1:2013-14	4.3	6.1	6.6	3.1	5.0	5.3	9.5	11.1	12.3	15.8	12.6	13.4
आईटी												
छ1:2010-11	3.2	35.3	1.1	2.7	35.9	0.7	4.3	33.1	2.6	12.5	25.4	6.1
छ2:2010-11	5.6	33.3	1.2	5.3	33.5	0.8	7.3	32.8	3.1	8.7	26.4	6.2
छ1:2011-12	3.6	36.1	1.4	3.4	35.7	1.1	3.8	40.4	3.0	15.0	31.6	8.0
छ2:2011-12	3.7	35.7	1.7	3.4	36.3	1.2	4.6	31.4	4.3	10.7	33.0	10.6
छ1:2012-13	3.3	37.8	1.5	2.6	38.1	0.9	8.3	34.8	5.8	11.3	35.5	10.9
छ2:2012-13	2.0	39.9	1.5	1.3	40.5	0.8	7.6	35.4	5.9	10.1	32.2	13.5
छ1:2013-14	1.9	39.5	1.3	1.6	39.6	0.6	2.3	39.1	7.2	22.4	31.3	19.0
सकल												
छ1:2010-11	45.6	7.1	2.8	45.8	6.7	2.5	45.2	8.6	3.9	40.4	10.4	6.4
छ2:2010-11	47.3	6.5	3.1	47.3	6.1	2.8	47.7	8.1	4.3	42.4	9.5	5.9
छ1:2011-12	47.5	7.2	3.1	47.9	6.8	2.7	45.8	9.0	4.7	42.7	11.9	6.2
छ2:2011-12	49.0	6.7	3.6	49.4	6.3	3.2	47.2	8.3	5.5	41.4	12.2	8.0
छ1:2012-13	48.3	7.3	3.7	49.0	7.0	3.3	44.5	8.9	5.8	41.5	12.4	9.2
छ2:2012-13	47.7	7.2	3.7	47.9	6.8	3.3	46.9	9.2	6.0	43.2	12.0	9.1
छ1:2013-14	46.5	7.8	4.0	46.7	7.5	3.6	45.7	9.1	6.0	40.5	12.3	11.4

विवरण 2: चुनिंदा उद्योगों के महत्त्वपूर्ण निष्पादन पैरामीटर

उद्योग	अवधि	सकल			बड़े			मध्यम			छोटे		
		बिक्री	ईबीआई-टीडीए	निवल लाभ	बिक्री	ईबीआई-टीडीए	निवल लाभ	बिक्री	ईबीआई-टीडीए	निवल लाभ	बिक्री	ईबीआई-टीडीए	निवल लाभ
		वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	मार्जिन (प्रतिशत)	मार्जिन (प्रतिशत)	वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	मार्जिन (प्रतिशत)	मार्जिन (प्रतिशत)	वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	मार्जिन (प्रतिशत)	मार्जिन (प्रतिशत)	वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष)	मार्जिन (प्रतिशत)	मार्जिन (प्रतिशत)
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	छ1:2012-13	20.2	21.8	11.7	20.4	22.7	11.9	20.0	14.2	9.9	-1.5	16.5	1.3
	छ2:2012-13	7.6	17.8	8.2	8.3	19.0	9.1	5.8	10.1	3.0	-36.9	29.4	-18.6
	छ1:2013-14	-2.5	14.1	5.9	-1.4	15.2	6.8	-9.9	6.7	-0.7	-15.0	5.2	-8.0
लोहा और इस्पात	छ1:2012-13	12.5	15.5	4.8	16.6	16.8	5.8	-8.0	6.6	0.7	-31.4	-3.8	-46.1
	छ2:2012-13	1.5	15.5	3.6	5.5	17.2	4.6	-16.4	4.8	-1.0	-42.0	1.3	-32.7
	छ1:2013-14	-4.0	14.5	1.8	-2.3	16.4	3.2	-9.3	4.8	-3.2	-43.3	-3.2	-47.7
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपकरण	छ1:2012-13	3.7	10.1	5.8	4.1	10.3	6.2	0.1	8.5	2.1	-0.9	6.6	8.0
	छ2:2012-13	-3.8	10.0	4.8	-3.2	10.2	5.0	-7.8	8.9	3.4	-30.6	-1.6	-4.9
	छ1:2013-14	-3.7	10.5	5.3	-3.4	10.9	5.7	-5.0	7.6	2.0	-24.6	5.2	3.9
फार्मस्युटिकल और औषधि	छ1:2012-13	14.5	16.9	11.0	19.3	18.1	13.4	11.0	13.9	5.2	-46.4	4.3	-15.7
	छ2:2012-13	-1.3	18.0	8.8	6.0	21.2	11.4	-11.9	11.5	3.9	-46.8	-8.8	-19.8
	छ1:2013-14	7.6	17.2	8.8	8.1	17.9	9.7	8.3	15.9	7.7	-16.7	2.8	-22.9
वस्त्र	छ1:2012-13	9.0	12.7	2.8	12.9	14.4	3.8	3.4	9.7	1.2	-7.7	5.5	-4.4
	छ2:2012-13	13.3	12.2	1.8	19.5	14.5	3.8	4.1	8.3	-1.3	-15.1	0.7	-12.0
	छ1:2013-14	9.9	12.2	1.7	10.6	13.9	2.9	10.8	9.1	0.3	-12.8	2.5	-15.1
मशीनरी*	छ1:2012-13	10.2	8.6	4.0	13.1	8.4	3.6	-1.0	9.2	6.2	2.1	10.1	0.0
	छ2:2012-13	-0.1	8.5	3.1	5.7	9.3	5.3	-14.5	5.6	-4.6	-37.8	1.3	-12.9
	छ1:2013-14	-1.7	8.6	3.5	-1.2	8.8	3.6	-0.2	7.8	2.7	-29.2	6.1	4.8
निर्माण	छ1:2012-13	9.8	13.3	4.6	12.7	13.3	4.7	-8.8	14.3	4.4	-24.2	7.9	-2.3
	छ2:2012-13	0.2	12.0	3.8	1.2	12.0	4.1	-8.4	13.0	0.9	-22.1	7.1	-1.1
	छ1:2013-14	2.3	11.7	2.3	4.0	11.5	2.5	-12.3	14.0	0.5	-10.7	12.3	2.3
बिजली उत्पादन और आपूर्ति	छ1:2012-13	15.0	20.7	7.0	15.5	21.1	6.9	1.0	6.3	-0.7	-19.8	-3.9	$
	छ2:2012-13	-2.3	21.2	8.0	-2.8	21.8	6.6	21.7	9.8	2.7	-11.4	$	$
	छ1:2013-14	2.7	23.4	1.7	2.4	23.8	1.6	20.5	7.7	1.3	8.6	3.7	49.8

$: अंश /हर शून्य /नगण्य
इसमें मशीनरी और मशीन औज़ार तथा विद्युत मशीनरी और उपकरण शामिल हैं।

अनुबंध

व्याख्यात्मक टिप्पणियां

1. किसी तिमाही में संवृद्धि दर की गणना करने के लिए वर्तमान और पिछली अवधि के लिए एक प्रकार की कंपनियों के समूह को विचार में लिया गया है।

2. उद्योगों और क्षेत्रों का मोटे तौर पर वर्गीकरण राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) के आधार पर किया गया है। उत्पादन क्षेत्र में लौह और इस्पात, सीमेंट और सीमेंट उत्पादों, मशीनरी और मशीनरी उपकरणों, मोटर वाहनों, रबड़, कागज़, खाद्य उत्पादों आदि जैसे उद्योगों को शामिल किया गया है। इसमें 'चाय बाग़ानों' और 'खनन एवं उत्खनन' उद्योगों को शामिल नहीं किया गया है। सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) में भू-संपदा, थोक और खुदरा व्यापार, होटल और रेस्टोरेंट, परिवहन, भंडारण और संचार उद्योगों को शामिल किया गया है। इसमें निर्माण और विद्युत उत्पादन तथा आपूर्ति उद्योगों को शामिल नहीं किया गया है।

3. फोरेक्स के लाभ और हानि को कंपनियों द्वारा निवल आधार पर रिपोर्ट किया जाता है और इसे निवल लाभ की गणना में शामिल किया जाता है। जहां निवल फोरेक्स हानि को व्यय के भाग के रूप में माना जाता है और इस प्रकार ईबीआईटीडीए में इसे शामिल किया जाता है, वहीं निवल फोरेक्स लाभ को अन्य आय के रूप के माना जाता है और इसे ईबीआईटी में शामिल किया जाता है।

4. किराया, लाभांश, रायल्टी आदि जैसी नियमित विविध प्रकार की आय को अन्य आय में शामिल किया गया है और इसमें विशिष्ट आय/व्यय शामिल नहीं है।

5. विशिष्ट आय/व्यय को ईबीटी और निवल लाभ में शामिल किया गया है। जैसा कि नाम से मालूम चलता है किसी विशिष्ट तिमाही में ये आय/ व्यय कुछ कंपनियों के लिए काफी बड़े हो सकते हैं।

6. कुछ कंपनियां ब्याज को निवल आधार पर रिपोर्ट करती हैं। तथापि, कुछ कंपनियां ब्याज पर किए गए व्यय को सकल आधार पर शामिल करती हैं, जहां प्राप्त ब्याज को अन्य आय में रिपोर्ट किया जाता है।

7. अनुपात/ संवृद्धि दर जिनका हर (डिनॉमिनेटर) नकारात्मक या नगण्य होता है उसकी गणना नहीं की गई है और उसे $ के रूप में दर्शाया गया है।

शब्दावली

ईबीआईटीडीए	-	परिचालनगत लाभ/ ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व आय	-	बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन -व्यय
ईबीआईटी	-	सकल लाभ/ ब्याज और कर पूर्व आय	-	ईबीआईटीडीए+ अन्य आय - मूल्यह्रास और परिशोधन
ईबीटी	-	कर पूर्व आय	-	ईबीआईटी- ब्याज भुगतान + विशिष्ट आय/व्यय
निवल लाभ	-		-	ईबीटी- कर
ब्याज का बोझ	-		-	ब्याज भुगतान/ ईबीआईटी *100
ब्याज की व्याप्ति	-		-	ईबीआईटी/ब्याज भुगतान